गीता के श्लोकों का अर्थ और महत्व के बारे में भी जानकारी दी जाती है। ताकि वह समझे कि वैदिक मंत्र केवल शब्द मात्र नहीं है। बल्कि वे हमारे जीवन को समृद्ध बनाने के लिए एक मार्गदर्शक भी है।

इसी सेवा-भाव और धर्म-प्रचार के कार्य को आगे बढ़ाते हुए ट्रस्ट ने एक ऐसी ''चल-पाठशाला (बस)'' तैयार करवाई है, जोकि ट्रस्ट के प्रधान आदरणीय पवन कुमार शास्त्री जी ने अपने परिवार के सहयोग से बनवाकर जम्मू यात्री भवन को सादर समर्पित की है। इस बस का प्रयोग ज्ञान-यज्ञ सनातन् वैदिक धर्म का प्रचार प्रसार करने में किया जाएगा। यदि आप अपने मोहल्ले में कोई भी गीता, रामायण आदि ग्रन्थों को पढ़ना चाहते हैं तो ट्रस्ट की यह 'चल पाठशाला-बस' आपके मोहल्ले में आकर शिक्षक के साथ आपको दो घण्टें की कक्षा प्रदान करेगी। यह ट्रस्ट की ओर से नि:शुल्क सेवा होगी। यदि आप भी अपने मोहल्ले में इस तरह की कक्षा लगवाना चाहते हैं तो 'चल पाठशाला' संकटमोचन पंचमुखी हनुमान् मन्दिर, बी.सी.रोड, बस स्टैंड के सामने सम्पर्क करके यह सेवा ले सकते हैं।

जिसमें सनातन धर्म का प्रचार एवं संस्कृत विद्या अध्ययन करवाने का आयोजन भी किया जाएगा। कक्षा रूपी बस में ''सनानत् धर्म के प्रमुख ग्रंथ, श्री हनुमान् चालीसा, श्री सुन्दरकांड पाठ, रामायण, श्री भद्भागवत् गीता आदि की शिक्षा एवं ज्ञानवर्धन के लिए इच्छुक व्यक्तियों को पढ़ाया जाएगा। यह बस प्रमुख तौर पर हर उस क्षेत्र में अपनी सेवा प्रदान करेगी, जिस क्षेत्र में सनातन् धर्म के प्रति जिज्ञासा रखने वाले इच्छुक व्यक्ति निवास करते हैं। ट्रस्ट सार्वजनिक तौर पर हर उस परिवार के साथ है जो परिवार अपने बच्चों को वैदिक सनातन् धर्म का ज्ञान दिलाने में जिज्ञासा रखते हैं। यह पूरी बस ए.सी. होने के साथ-साथ शौचालय की सुविधा भी इसमें उपलब्ध रहेगी। इन बच्चों को प्रतिदिन पढाने वाले पाठ्यक्रम विद्वान् पंडितों द्वारा तय किये जाएंगे। जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट के माध्यम से ''वैदिक सनातन् धर्म प्रचार समिति'' का भी गठन किया जाएगा जो सुचारू रूप से पाठ्यक्रम को चलाने में अपना विशेष योगदान देगी।

हमे पूर्ण विश्वास है कि जिस प्रकार आप महापुरुषों का आशीर्वाद एवम् महत्वपूर्ण सहयोग ''जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट'' को निरंतर प्राप्त हुआ। उसी प्रकार आगे भी मिलता रहेगा ताकि ट्रस्ट अपने वैदिक सनातन् धर्म को निरंतर आगे बढ़ाता रहे।

इस विषय में अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-

श्री गुरदास शर्मा	श्री राज कुमार	श्री बी.आर.शर्मा	श्री बलबीर सिंह	श्री रशपाल शर्मा
महामन्त्री/कोषाध्यक्ष	(जनरल मैनेजर, जम्मू)	(एडमिनिस्ट्रेटर, जम्मू/हरिद्वार)	(फील्ड आफिसर, जम्मू)	(बी.सी.रोड, जम्मू)
9419193645	7889638734	9596955663	9419662100	9469748330

जम्मू यात्री भवन (ट्रस्ट)

का अपने-आप में एक नया प्रकल्प

ज्ञान-यज्ञ पाठशाला

निर्माणाधीन मुख्य कार्यालय :
बी.सी.रोड,
बस स्टैंड के सामने, जम्मू।
हैल्पलाईन : 8899433913

हरिद्वार कार्यालय :
ऋषिकेश रोड भूपतवाला,
हरिद्वार - 249410
हैल्पलाईन : +91 9897128391

जय शंकर जय गंगा मैय्या जी जय श्री राम

महोदय/महोदया,

जैसे कि आप सब भलीभांति जानते हैं कि ''जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट'' पिछले तीन दशकों से आप सबके सहयोग मात्र से अपने हरिद्वार मे स्थित भवन में सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, नैतिक कार्यक्रमो का आयोजन बड़े विधि-विधान से करता आ रहा है। वैदिक सनातन् धर्म के प्रचार-प्रसार में अपनी अहम् भूमिका निभाने वाला ''जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट'' पूजा-पाठ, यज्ञ तर्पण दानादि से समाज को वैदिक सनातन संस्कृति की प्रेरणा भी गत कई वर्षो से देता आ रहा है। ट्रस्ट के इस सराहनीय कार्य में समाज पूर्ण-श्रद्धा एवं विश्वास भव से अपना योगदान भी दे रहा है और कल्याण के पथ पर अग्रसर भी हो रहा है।

इसी सेवा भाव से ट्रस्ट द्वारा हरिद्वार में एक विशाल भवन का निर्माण किया गया है। यहाँ पर दिन-रात यात्रियों की सेवा सम्पूर्ण श्रद्धा भाव से की जा रही है। यहाँ पर देश-विदेश से आए हुए भक्तजनों/यात्रियों के ठहरने के लिए ट्रस्ट द्वारा 150 ए.सी., नॉन ए.सी. कमरों की सुविधा से लेकर प्रात:काल से सायं:काल चाय के अतिरिक्त नि:शुल्क शाकाहारी भोजन की सुविधा यात्रियों को उपलब्ध होती है। इसके साथ ही हरिद्वार भवन प्रांगण में एक विशाल ''नारायण भगवान् जी की मूर्ति'' का निर्माण करना, वही प्रांगण में एक भव्य मन्दिर का निर्माण, जिसमें सनातन धर्म के देवी-देवताओं व नवग्रहों की मूर्तियों की स्थापना भी की गई है।

इसी प्रकार ट्रस्ट के इस निरंतर प्रयास के अंतर्गत जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा (जे.डी.ए.) ने बी.सी.रोड बस स्टैंड के सामने 'जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट' को एक कनाल भूमि अलाट की थी। इस भूमि का सारा शुल्क एक दानी सज्जन परिवार ''पंडित श्री लक्ष्मीचन्द परोहित'' जी द्वारा दिया गया था। इसी भूमि पर ट्रस्ट द्वारा ''संकटमोचन पंचमुखी श्री हनुमान् जी'' के एक भव्य मन्दिर का निर्माण किया गया है और ट्रस्ट के प्रधान श्री पवन कुमार शास्त्री जी ने अपने निजी परिवार के सहयोग से संकटमोचन पंचमुखी श्री हनुमान् जी की दिव्य मूर्ति की स्थापना बी.सी.रोड मन्दिर भवन में विधि-विधान के साथ दिनांक 24.10.2023 को की थी। अब यह संकटमोचन पंचमुखी श्री हनुमान् मन्दिर भवन जम्मू वासियों के लिए उनके संकट निवारण का एक मुख्य केन्द्र बना हुआ है। यहाँ पर जो भक्त श्रद्धाभाव से भगवान् हनुमान् जी के दरबार में नतमस्तक होकर जो भी कामना करता है, पंचमुखी हनुमान् जी उसकी हर मनोकामना को पूर्ण करते हैं। इसमें कोई भी शंका नहीं है।

अब ट्रस्ट द्वारा इसी पावन भूमि पर एक विशाल धर्मशाला का निर्माण कार्य भी बड़ी शीघ्रता से चल रहा है। इस कार्य का शुभारम्भ सन् 2024 ई. में ट्रस्ट के गणमान्य सदस्यों द्वारा सम्पन्न किया गया था। इस पवित्र भवन में संकटमोचन पंचमुखी श्री हनुमान् जी को प्रतिदिन विधि-विधान के साथ भोग लगाकर लंगर-प्रसाद भक्तजनों में वितरण किया जा रहा है। दिन में 500 से 600 के करीब श्रद्धालुगण भगवान् का भोग ग्रहण कर अपने आपको धन्य मानते हैं।

वैदिक सनातन् धर्म में वैसे तो अनेक प्रकार के 'दानों' का वर्णन है। जैसे जलदान, अन्नदान, तुलादान तथा गाय दानादि। ट्रस्ट के माननीय प्रधान श्री पवन कुमार शास्त्री जी ने एक ऐसे शाश्वत् दान का निर्णय लिया है जो समाज में नई पीढ़ी को सनातन संस्कृति के सात्विक मार्ग पर अग्रसर करेगी और वह शाश्वत् दान है ''विद्या का दान'' अर्थात् 'शिक्षादान' जो व्यक्ति को विनम्रता प्रधान करना सिखाती है। विनम्रता से योग्यता प्राप्त होती है। शिक्षा रूपी दान गुणदान यह एक ऐसी सात्विक पद्धति है जिसका कोई बोझ नहीं है। बल्कि इसका जितना खर्च करो यह नित्य प्रति उतनी ही वृद्धि को प्राप्त होती है।

सनातन शिक्षा पद्धति अर्थात् शिक्षा प्रदान करने वाली ट्रस्ट की यह नीति भविष्य में नई पीढ़ी को संस्कारित दिशा प्रदान करने में सफल सिद्द होगी और यह प्रक्रिया सुचारू रूप से भविष्य संवारने में भी विशेष योगदान प्रदान करेगी। ऐसा श्री पवन कुमार शास्त्री, प्रधान जम्मू यात्री भवन का विश्वास है। धर्म की यह शिक्षा प्रचार रूपी संरचना सभी उद्देश्यो में एक नवीन संरचना ट्रस्ट द्वारा की गई है। जिसका नाम 'ज्ञान-यज्ञ पाठशाला' है। इस 'ज्ञान-यज्ञ पाठशाला' के माध्यम से समाज में वैदिक सनातन् संस्कृति के मुल्यों को स्थापित करना ही ट्रस्ट का एक मात्र प्रथम उद्देश्य है।

''विद्या दान सबसे श्रेष्ठ और शाश्वत दान''

अब ट्रस्ट ने यह निर्णय लिया है कि सनातन् धर्म की सेवा करने के लिए हमारे धर्म शास्त्रों का ज्ञान हर सनातनी के लिए अनिवार्य है इसी सिलसिले में जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट द्वारा ज्ञान-यज्ञ पाठशाला की स्थापना का उद्देश्य: जम्मू-यात्री-भवन-ट्रस्ट के माननीय प्रधान श्री पवन कुमार शास्त्री जी का संकल्प है कि ''यदि समाज को स्थायी परिवर्तन देना है, तो उसकी शुरुआत विद्या से होनी चाहिए। इसी भाव से उन्होंने एक अद्वितीय संकल्प लिया है जिसका उद्देश्य यह है कि ''विद्या रूपी दान एक ऐसा दान है जो कभी भी समाप्त नहीं होता, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलता रहता है। विद्या दान अर्थात् ज्ञान का दान, यह केवल जीवका नहीं सिखाती बल्कि जीवन का अर्थ भी बताती है। संस्कार, विनम्रता, आत्मविश्वास और सत्यनिष्ठा का पाठ भी पढ़ाती है। ट्रस्ट का यह अभियान केवल शिक्षा देने का प्रयास नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवता की पुन:स्थापना का एक दिव्य आंदोलन है।

श्री पवन कुमार शास्त्री प्रधान 'जम्मू यात्री भवन ट्रस्ट' जी की इस प्रेरणा मात्र द्वारा 'ज्ञान-यज्ञ पाठशाला' की स्थापना एक दिव्य पहल है। यहाँ शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहती बल्कि जीवन के हर पहलू में जागृति लाती है। यहाँ पर विद्यार्थियों को वेद, उपनिषद्, भागवद्गीता, रामायण, सुन्दरकांड पाठ, महाभारत, हनुमान् चालीसा जैसे पवित्र ग्रंथों की शिक्षा प्रदान की जाती है। साथ ही हिन्दू सनातन धर्म का पूर्ण ज्ञान, सत्य, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा जैसे जीवन-मुल्य भी सिखाए जाते हैं। शास्त्री जी का यह मानना है कि आप अपने बच्चों को बड़ी से बड़ी शिक्षा प्रदान कर दे लेकिन जब तक हर सनातनी के बच्चों को अपने सनातन धर्म की जानकारी नहीं होगी तब तक बड़ी से बड़ी शिक्षा भी उसके आगे तुच्छ होगी।

''विशेषता-रिवर्स एजुकेशन मॉडल''

यहाँ शिक्षा एक दिशा में नहीं बहती-यह एक साझा ज्ञान प्रवाह है। ज्ञान-यज्ञ पाठशाला का ''रिवर्स एजुकेशन मॉडल'' अद्वितीय और प्रेरक है। यहाँ विद्यार्थी केवल शिष्य नहीं बल्कि शिक्षक भी बनते हैं, वे स्वयं ज्ञान प्राप्त करते हैं और उसी ज्ञान को दूसरों तक पहुंचाते है। यहाँ हर बालकएक दीपक बनता है, जो स्वयं प्रज्वलित होकर दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाता है। यही ज्ञान की सच्ची भावना है- ''ज्ञान बाँटने से बढ़ता है।''

ट्रस्ट द्वारा संचालित ज्ञान-यज्ञ पाठशाला यह निश्चित करती है कि कोई भी बालक शिक्षा से वंचित न रहे-चाहे उसकी सामाजिक या आर्थिक स्थिति कुछ भी हो

- नि:शुल्क शिक्षा:- संस्कृत, विज्ञान, कंप्यूटर एवं संगीत द्वारा (ऑनलाईन/ ऑफलाईन)
- योग्यता आधारित छात्रवृत्तियाँ एवं नि:शुल्क गणवेश
- नि:शुल्क बस सेवा (ऐ.सी बस सेवा)
- पौष्टिक भोजन एवं नाश्ता - प्रत्येक विद्यार्थी के स्वास्थ्य हेतु
- योग, ध्यान और संस्कार शिविर- मानसिक व आध्यात्मिक संतुलन के लिए
- हमारी ज्ञान-यज्ञ पाठशाला जम्मू-कश्मीर स्कूल ऑफ एजूकेशन द्वारा मान्यता प्राप्त होगी

''ज्ञान-यज्ञ पाठशाला''

इसी उपलक्ष्य पर हर रविवार को शाम 4 बजे से 7 बजे तक चलने वाली इस ज्ञान-यज्ञ-वैदिक पाठशाला के बच्चों द्वारा शुद्धोच्चारण के साथ शांति पाठ, सुन्दरकांड पाठ, श्री गीता पाठ, श्री हनुमान् चालीसा पाठ, रामायण पाठ आदि ग्रन्थों का पाठ जो कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का एक प्रधान अंग है, इसी उद्देश्य को लेकर ट्रस्ट द्वारा ''ज्ञान-यज्ञ पाठशाला'' का शुभारम्भ किया गया है। यहाँ पर गीता के श्लोकों का संस्कृत भाषा में उच्चारण करने के साथ-साथ उन्हें हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में अनुवाद करने की कला भी छात्रों को सिखाई जाती है। इस प्रक्रिया में छात्रों को